Hin1A05b 2012-13 Compréhension de l'écrit

Imparfait général et Imparfait actualisé

मेरा दोस्त राम

मेरा दोस्त राम बचपन में एक नंबर का शैतान था। अपने परिवार के साथ मेरे घर के पास ही रहता था। सुबह से शाम तक बदमाशी करता था। कभी अपने दोस्तों से लड़ता था तो कभी उनके साथ खेल खेलता था। उसके माता पिता और बाकी घरवाले उससे बड़े नाराज़ थे। अकसर उसे डांटते थे। स्कूल में टीचर भी आए दिन उसकी पिटाई करते थे। वह पढ़ाई कभी नहीं करता था। उसके पास कोई भी किताब नहीं थी। सिर्फ़ मौज-मस्ती करना पसन्द करता था। मैं उससे अकसर पूछता था : अरे तुम बड़े होकर क्या करोगे ? क्या बनोगे ? वह जवाब देता था : मैं कोई नौकरी नहीं करना चाहता। किसी आफ़िस में काम नहीं कर सकता। बहुत बोरिंग होता है। देखना, जब मैं बड़ा हूंगा, फ़ुटबालर बनूंगा। फिर हम दोनों खूब हंसते थे।

बाज़ार में क्या हो रहा था?

कई लोग यहां वहां घूम रहे थे। कुछ औरतें दुकानों में खरीदारी कर रही थीं। वे दुकानदारों को पैसे दे रही थीं और उनसे सामान ले रही थीं। बच्चे पार्क में घूम रहे थे। कुछ बुज़ुर्ग लोग एक दूसरे से मिल रहे थे। एक विदेशी पर्यटक लोगों से सवाल पूछ रहा था। मगर कोई भी उसे जवाब नहीं दे रहा था। मेरे पड़ोसियों के बच्चे क्रिकेट खेल रहे थे। एक छोटी बच्ची ज़ोर से रो रही थी क्योंकि दो बदमाश लड़के उसे तंग कर रहे थे।

कुछ चुटकुले

संता (अपनी बीवी से) : आज रविवार है तो मैं मज़े करना चाहता हूं। इसलिए नई फ़िल्म के तीन टिकट लाया हूं।
बीवी: मगर तीन टिकट क्यों ? संता: तुम्हारे और तुम्हारे मम्मी पापा के लिए !

संता : (अस्पताल में) डाक्टर साहब, यह फूलों की माला किसके लिए है ?
डाक्टर: यह मेरा पहला आपरेशन है। अगर यह सफ़ल हुआ तो मेरे लिए, वरना तुम्हारे लिए।

संता : रात वाली फ़िल्म बहुत डरावनी थी। उसमें एक चुड़ैल कभी मेरे आगे तो कभी मेरे पीछे घूम रही थी।
संता की बीवी: अच्छा ! वह कौनसी फ़िल्म थी ?
संता: वह और कुछ नहीं, हमारी ही शादी का वीडियो था।

संता समुद्र में दही डाल रहा था। बंता उसे देखकर उससे पूछता है : अरे यह क्या कर रहे हो ?
संता जवाब देता है : देखते नहीं, लस्सी बना रहा हूं।
बंता ज़ोर से हंसा और कहता है : अरे बेवकूफ़, इतनी सारी लस्सी कौन पीएगा ?